मेवाड़ में समारोहपूर्वक मनाई गई महर्षि दयानंद जयंती

स्वामी दयानंद स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े प्रणेता थे- आर्य

-स्वामी दयानंद के विचार आज भी प्रासंगिक- डाॅ. गदिया

- विद्यार्थियों ने महर्षि दयानंद के जीवन व आदर्शों पर प्रकाश डाला

गाजियाबाद। केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व मुख्य आयुक्त अशोक आर्य ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के बड़े प्रणेता थे। उन्होंने लोगों को हमेशा कहा कि वे गुण-कर्म अनुसार चलें। जातिगत आधार पर आरक्षण के स्वामी दयानंद घोर विरोधी थे। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि श्री आर्य ने ये बातें विद्यार्थियों व शिक्षकों से कहीं।

उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद ने विदेशियों के राज से स्वराज्य को उत्तम माना। उनका लिखा सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथ सूर्य के प्रकाश के समान है। आज महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को अपनाकर देशभर से जातिगत विवादों व पाखंडों को नष्ट किया जा सकता है। मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डाॅ. अशोक कुमार गदिया ने समारोह की अध्यक्षता करते हुएकहा कि महर्षि दयानंद के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। इन्हें अमल में लाना होगा। इन्हें अमल में लाने पर ही विश्व में व्याप्त तमाम विवादों और पाखंडों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद रचित सत्यार्थ प्रकाश व स्वामी दयानंद की जीवनी लोग एक बार जरूर पढ़ें। इससे आपका आध्यात्मिक व आंतरिक विकास होगा और आप श्रेष्ठ जीवन जीने के हकदार बनोगे।

उन्होंने महर्षि दयानंद के जीवन चरित्र और उनके आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डाॅ. गदिया ने कहा कि आज भी हम कुरीतियों, अंध विश्वास व रुढ़ परम्पराओं में जकड़े हुएहैं। आज भी थोथे कर्मकांड के हम शिकार हैं। वर्ण व्यवस्था आज भी कायम है। वर्ष 1875 में आर्य समाज की स्थापना के समय महर्षि दयानंद ने हरिद्वार में पाखंड खंड खंडिनी पताका गाड़कर सभी विद्वानों को शास्त्रार्थ की चुनौती दी। इसमें उन्होंने तमाम अंध विश्वासों व विरोधों को समाप्त कर स्त्री शिक्षा पर जोर दिया। वर्ण व्यवस्था, अंधविश्वास, रुढ़ परम्परा, लोभ, मोह आदि का त्याग करने की बात कही। डाॅ. गदिया ने कहा कि स्वामी दयानंद महिलाओं के विकास के प्रबल पक्षधर थे। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती, भारत माता व दयानंद सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर व पुष्प अर्पित करके हुई। इस मौके पर विद्यार्थियों ने गायत्री मंत्र, यज्ञ प्रार्थना, भजन, समूह गान, सम्भाषण, आर्य समाज के नियम, दयानंद के प्रवचन, कविताएं आदि प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थी थे-निशांत राव, सृष्टि राना, जयश्री, शिवानी, आराधना, शिखा, शिवा, यशस्वी, वंदना, अश्विनी पटेल, रिजवान, हर्षिता आदि। इस मौके पर मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डाॅ. अलका अग्रवाल समेत तमाम शिक्षण स्टाफ मौजूद था। सफल संचालन प्रशांत जिंदल व अखंड प्रताप ने किया।

MEWAR GROUP OF INSTITUTIONS

Mewar Institute

Celebrates

Swami Dayanand Saraswati Jayanti

Monday, 12th February, 2018

12:00 Noon onwards

Venue : Vivekanand Hall

Sector-4C, Vasundhra, Ghaziabad

स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं
धीमहि ।
धियो यो नः प्रचोदयात्
१२ फरवरी
महर्षि दयानंद सरस्वती
के जन्मदिवस पर हार्दिक
शुभकामनाए ।
Dr. Alka Agarwal
Ashok Arya
ऋग्वेद
यजुर्वेद
rejects the belief of blind faith, animal sacrifice, idolatry, priest-craft & superstitions brought about by ignorance & fear.
Promotes philosophy of

ऋग्वेद
यजुर्वेद

MEWAR
INSTITUTE